



ॐ नमो नलत्रयाय ॥ ॐ नमो ग्रीष्मार्कवलाकि नमो ग्रीष्मार्क
विनाह ॥ विधिथं कलंग स्थापन ॥ मंगलार्क ॥ कलंग सग्वन मतवलिपंचगव्य
पात्रध्यापनार्क पूजाः सूर्योर्वा पूजा रस कल्पयाक ॥ पंचगव्य साधना ॥ सिधनयः स
माधियाय ॥ कलंग सवधेन गपूजा ॥ प्रतीमा दधना पूजा ॥ मंगल पूजा ॥ ॥
लोक नमो समाधि ॥ ॐ नमो नलत्रयाय ॥ ॐ नमो ग्रीष्मार्कवलाकि नमो ग्रीष्मार्क
य ॥ प्रतीक नमो समाधि ॥ ॐ नमो नलत्रयाय ॥ ॐ नमो ग्रीष्मार्कवलाकि नमो ग्रीष्मार्क

कुसेहिता ॥ द्वादशस्वीष्टाज्ञातकंतया ॥ ॐ नमो ग्रीष्मार्कवलाकि नमो ग्रीष्मार्क
संतवनाथं कनूनाथं तिथिमानसं ग्रीष्मार्क पाशनामातां लोकनाथं नमो
हं ॥ ॥ द्वादशस्वीष्टाज्ञातगुणधंगुमूलमंगलसदधुसतय ॥ धनयागुसमाधि
योगुतावना ॥ वाक् ॥ ॐ स्वरावतु द्वादशस्वीष्टाज्ञातगुणधंगुमूलमंगलसदधुसतय
स्वाहावाक् ॥ ॐ नमो नलत्रयाय ॥ ॐ नमो ग्रीष्मार्कवलाकि नमो ग्रीष्मार्क
विनाह ॥ विधिथं कलंग स्थापन ॥ मंगलार्क ॥ कलंग सग्वन मतवलिपंचगव्य
पात्रध्यापनार्क पूजाः सूर्योर्वा पूजा रस कल्पयाक ॥ पंचगव्य साधना ॥ सिधनयः स
माधियाय ॥ कलंग सवधेन गपूजा ॥ प्रतीमा दधना पूजा ॥ मंगल पूजा ॥ ॥
लोक नमो समाधि ॥ ॐ नमो नलत्रयाय ॥ ॐ नमो ग्रीष्मार्कवलाकि नमो ग्रीष्मार्क
य ॥ प्रतीक नमो समाधि ॥ ॐ नमो नलत्रयाय ॥ ॐ नमो ग्रीष्मार्कवलाकि नमो ग्रीष्मार्क

कञ्चनं तावद्यत् ॥ हं न क्षमता ॥ अं वकुलं हृदयं पुष्टिं प्रवृत्तिं विनं समं
 हितं विष्णुलाकुं कर्तुं क्षमता ॥ जगत्कटधर्तुं क्षमता ॥ जगत्कटधर्तुं क्षमता ॥
 गोनालकुटिलमायूकं वनदपंकजधातिर्न ॥ श्री अमाद्यपारम्भ ॥ दक्षिणहस्त
 अकाशं चन्द्रमं ॥ गामहस्त अकाशं चन्द्रमं ॥ पमहस्त ॥ दक्षि
 ण अमवर्तनं ॥ कनकपल्लवदक्षिण ॥ ॐ वृं अं जिरेवं ॥ ॐ लामापातां ॥ ॐ अं हं
 षट् अंगन्यास ॥ ॐ वीं जुयायुहं ॥ पापरखलुन ॥ ॐ अं अमाद्यपारम्भ ॥
 सिलि ॥ ॐ जयायहं ॥ श्री लुं विजयायहं ॥ कथं ॥ ॐ ईश्वरवन्दायहं ॥ नृज

स्वाहा

ॐ जय वीजयायहं ॥ नाहि ॥ ॐ हं अत्यप्रदायहं ॥ जय स्वयं ॥ ॐ अं वीं
 यहं ॥ श्री ॥ ॐ अं जिरेवं ॥ ललात ॥ ॐ वज्रपायहं ॥ नृगृहि ॥ ॐ स्वर्गहं
 हं ॥ कलुहि ॥ ॐ लं कञ्चनहं ॥ नास ॥ ॐ मं गुरुयायहं ॥ जिह्वा ॥ ॐ सर्वनीवत
 हायि कृतिहं ॥ हृदय ॥ ॐ समकालहं ॥ संयुति ॥ ॐ अं जिनायहं ॥ ज
 अलाता ॥ ॐ अं पलाजीतायहं ॥ स्वयं लाहा ॥ ॐ हं मानसमिपुमर्दनायहं
 ॥ मूर्खा ॥ ॐ अं कालमूलपुष्पमनीहं ॥ हृदय ॥ ॐ धनदायहं ॥ जय पुलि ॥
 ॐ हं वसुधायहं ॥ वज्रपुली ॥ ॐ अं मतायहं ॥ हं हं ॥ ॐ अं अमा

नमः

घोंकुं यजह्वं स्वाहा ॥ सर्वसि ॥ त्ति अं जग्यास ॥ ॥ वां वध्यसं न ॥ ॐ
 इदिष्टं जीका प्रतनमीं दासं सुयार्जुन निवृत्तुवनसितं ली अभा घापवस
 माप्रल अकव्यं ॥ मनुतस सर्वाय ॥ ॐ अभा घपा मला क भवाय जी स्वा
 हा ॥ ॐ जी लो क विजया य अभा घपा म प्रति हं न जी दुट् स्वां हा ॥ ॐ मनिपम
 है ॥ मरध ॥ ३ ॥ ॐ अमिता ता य वज्र पूर्य प्रति क स्वाहा ॥ ॐ ॥ ध्या चिन्ता ॥ न क
 कपमा ॥ ॐ अभा घोंकुं य स्वाहा ॥ हजान ॥ चिन्ता ॥ अं कुं ॥ ॐ ता राय स्वा

हा ॥ जग ॥ ध्या चिन्ता ॥ ॐ हा स्त्री ॥ ॐ ह कुटिता नार्थ स्वां हा ॥ म ॥ अभा यं स्वा
 स्वाहा ॥ ॐ सधन कु मा राय स्वाहा ॥ अ न ध ॥ ॐ ॥ अभा यं स्वा की
 ता य स्वाहा ॥ ॐ म ॥ तुय पमा ॥ ॐ ख खं स य निाय स्वाहा ॥ वायु ॥ चिन्ता ॥
 कुं धा हा ॥ ॐ हय ग्री गाय स्वाहा ॥ ॐ ॥ चिन्ता न क ना द प म ॥ ॥ अ जि
 ना य स्वाहा ॥ पूर्व ॥ ॐ अ प ना जी ता य स्वाहा ॥ द क्रि हा ॥ ॐ मा न स न प्र म द हा
 य स्वाहा ॥ पवि ॥ ॐ बल दा य स्वाहा ॥ ॐ जय विजया य स्वाहा ॥ अ न ध ॥ ॐ

लदाय स्वाहा ॥ नमः ॥ ॐ वसुधा माय स्वाहा ॥ वायु वा ॥ ॐ अरुण प्रदाय स्वाहा ॥
 ॐ आन ॥ ॐ धनदाय स्वाहा ॥ मध्य ॥ नमः यानी मरुध ॥ धूमि न प ह हू वाय
 ॥ ॐ प्रक वृक्षानमः ॥ स्वाहा ॥ ॐ नमः सुवर्ण प्रदायिनी ॥ नमः नाना माय न
 अगताय स्वाहा ॥ ॐ नमः सिंह विक्रीरित ताजाय तथा गताय स्वाहा ॥ ॐ
 मासु प्रकृति नाना जाय तथा गताय स्वाहा ॥ पूर्व ॥ ॐ नमः समन्त न ह
 र्द्वज नक्षी कुच ताजाय तथा गताय स्वाहा ॥ ॐ नमः ॥ विचरि न तथा

गताय स्वाहा ॥ ॐ नमः निरिक्त तथा गताय स्वाहा ॥ ॐ नमः विष्णु प्रदाय तथा
 गताय स्वाहा ॥ ॐ ॥ ६ ॥ श्री ॥ ॐ नमः कृष्ण प्रदाय तथा गताय स्वाहा ॥ ॐ न
 मः कनक मुनिय तथा गताय स्वाहा ॥ ॐ नमः काष्ठ पाय तथा गताय स्वाहा
 ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥
 ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥
 ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥
 ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥

रमादहम् ॥ थुं पि न प कु न सी ॥ ॐ पू व न वा य स्वा हा ॥ अरु ग्र म ॥ ॐ

धू प ना रा र्थ स्वा हा ॥ न मि त्त ॥ ॐ दि प ना रा र्थ स्वा हा ॥ ना यू य ॥ ग न्ध
ना रा र्थ स्वा हा ॥ ॐ न म ॥ पु र्व नि सं च्या गु दि ग सं ॥ ॐ द्रा य अ सू ना धी
प न स स्वा हा ॥ पू र्व ॥ ॐ व मा य प्र ना धि प न य स्वा हा ॥ द क्रि ह ॥ ॐ व गू ण
य ना गा धि प न य स्वा हा ॥ प म्भु म् ॥ ॐ कु व रा य य क्रा धी प न य स्वा हा ॥

वायु वा प व त्त धि प न य स्वा हा ॥ वा यू य ॥

ॐ ल न ॥ ॐ अ ग्न ध न ता धि प न य स्वा हा ॥ अ ग्न य ॥ ॐ न म ॥ ना क सा धि प
न य स्वा हा ॥ वे स्रु य ॥ ॐ ॐ न म ॥ ना तू ना धि प न य स्वा हा ॥ ॐ न म ॥ ॐ ॐ ॐ वृ ष ण
ना का प न य स्वा हा ॥ ॐ च द्वा न कृ त्रा धि प न य स्वा हा ॥ ॐ सूर्या ग्र हा धि प न य स्वा हा
॥ ॐ ॐ पू धि वी ण क मा गृ ह्य स्वा हा ॥ ॐ ॐ म चि त्रा अ सू ना धि प न य स्वा हा ॥ ॐ ना
ग स ज ला धि प न य स्वा हा ॥ ॐ स ॥ पं चा प च स पू ण ॥ ॐ ॐ स ला स्या ॥ कि ग ति ने ॥

वृ ॐ न मा मि स कं स त्र हं च पु न ॥ पु न ॥ ध म्भु नि त्त च स धं च न मा मि स त्र हं च ॥ ॐ

[illegible]





[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्री कृष्णाय नमः ॥
 अथ श्रीकृष्णार्चनम् ॥
 दशरूपेश महाबलवान् ॥
 शङ्खचक्रधरा वीर्यवान् ॥
 धनुर्धरा महेन्द्रबाहू ॥
 सारंगधरानन्ददायक ॥
 हस्तप्रदः सर्वपापनाशक ॥
 त्रिशूलधारिण आत्मजित् ॥
 अक्षयपत्रदानकराज ॥
 चक्रवर्ति महामुखाय नमः ॥
 अथ श्रीकृष्णविष्णुमहादेव
 त्रिमूर्तिकाव्यं ॥
 ओम् नमो भगवते वासुदेवाय ॥

हां हं लु हां लु न्यता सुत वज्र सहा वासु कहं ॥ लु न्यता विहावा ॥ ततः हृदि कृपं कात्र न विभु
 दलपत्र कलि बुध प्रति चंद्र मनु लु न्यता पति हि कात्र तत्पति स म न श्री अभा घपा सहा क
 नहा व भुत ॥ ॥ हं हं हं ॥ लु अभा घपा सहा क म प्र व स को नाय पा घा घं अ च म
 न व भु मने प्रति कृ स्वाहा ॥ वज्रं कृ स म् डा ठ ह कृ का य ॥ ॐ वज्रं कृ स ज हं ॥ ॐ वज्रं घा स
 हिं ॥ ॐ वज्रं कृ र पं ॥ ॐ वज्रं कृ म हाः धन म लु स हा हृ स्वा न वा य क ॥ वा क ॥ ॐ
 दि वृ हिं का त र स मी म् डा सं स्पृ र्थ अ क व रु व न सि तं श्री अभा घपा सहा क
 न स मा नुः रा य व ज प्र धं प्रति कृ स्वा हा ॥ हृ स ॥ ॐ अभा घं कृ सा ये व ज प्र धं प्रति कृ स्वा हा
 हा वं मा क र्थीतः स्वा न वा य क वा क ॥ ॐ अभा घ पा स हा क र्थ ना य हि स्वा हा
 म ध्याः

॥ हृ स म् ॥ ॐ अम्यता न धं य ज प्र धं प्रति कृ स्वा हा ॥ ज हा ॥ ॐ हृ कृ तिता ना धं व ज प्र धं
 प्रति कृ स्वा हा ॥ व डा ॥ ॐ सृ धं न कृ सा ना धं स्वा हा ॥ अ र म् ॥ ॐ अम्य वि ता कि म नु ना
 य व ज प्र धं प्रति कृ स्वा हा ॥ न म् म् ॥ ॐ व र व स प्य ना य व ज प्र धं प्रति कृ स्वा हा ॥ वा य
 म् ॥ ॐ हृ य ग्री वा य व ज प्र धं प्रति कृ स्वा हा ॥ स म् ॥ ॐ अ र्जिता य स्वा हा ॥ प्र वृ दि
 हा न ॥ ॐ अप ला खी ता य स्वा हा ॥ दृ ज्जी हा ॥ ॐ मा त र्म म् प्र म द् स य स्वा हा ॥ प र्म म् ॥
 उ व ल दा य स्वा हा ॥ अ र्ज म् ॥ ॐ ज मा य स्वा हा ॥ न म् ॥ ॐ वी ज मा य स्वा हा ॥ वा य ॥ ॐ
 ज य वि ज या म् स्वा हा ॥ ॐ स म् ॥ ॐ य स दा य स्वा हा ॥ ॐ य स न्ध य ना य स्वा हा ॥ अ म्
 य प्र दा य स्वा हा ॥ ॐ ध न दा य स्वा हा ॥ न न धा नी म् र ध्म ॥ ॐ पि न्ने हृ म् न

नीस्यं प ह २ वा य ॥ ॐ प्र ह क वू द्वा य न म ४ स्वाहा ॥ ॐ न म ४ सु व लु प्र ता वि न ह
अ व न आ जा य त थ ग ता य स्वाहा ॥ ॐ न म ४ सिं ह वि क्री णि त जा जा य त थ ग ता
य स्वाहा ॥ ॐ त्रि न म ४ सु प्र ती ष्ठि त जा जा य त थ ग ता य स्वाहा ॥ ॐ अ न पु र ॥
ॐ न म ४ स म क र ञ्मु क्त र श्री कृ त जा जा य त थ ग ता य स्वाहा ॥ ॐ न म ४ वि प श्वि
न त थ ग ता य स्वाहा ॥ ॐ न म ४ वी रि व न त थ ग ता य स्वाहा ॥ ॐ न म ४ वि भू
ह वा य त थ ग ता य स्वाहा ॥ ४ ॥ द क्रि १ ॥ ॐ न म क कू ह वा य त थ ग ता य
स्वाहा ॥ ॐ न म क न क मू न य त थ ग ता य स्वाहा ॥ ॐ न म का ऽ ध या य त थ ग
ता य स्वाहा ॥ ॐ न म सा क मू न य त थ ग ता य स्वाहा ॥ ५ ॥ प ण्च म ॥ ॐ न

साधितपत्राह ॥ अग्नय ॥ देवायुष्यवत्साधितपत्राह ॥ वायव्य
उत्तमसहस्राधितपत्राह ॥ नमस्त ॥ उत्तमसहस्राधितपत्राह
हा ॥ उत्तमसहस्राधित ॥